राज्यं सभा

राज्यं सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याय455

27 अप्रैल, 2016 को उत्त र के लिए

इस्पात का घरेलू मूल्य अंतर्राष्ट्रीय मूल्य से अधिक होना

455. श्री मेघराज जैन:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारत लौह अयस्क और कोयले का प्रमुख उत्पादक होने के बावजूद हमारे देश में इस्पात का मूल्य अंतर्राष्ट्रीय मूल्य की तुलना में अधिक है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान इस्पात के मूल्य में वृद्धि हुई है, यदि हां, तो कीमतों में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है; और

(घ) घरेलू उद्योग विशेषकर फोर्जिंग (गढाई) उद्योग पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तघर

इस्पाशत और खान राज्यग मंत्री (श्री विष्णुस देव साय)

(क) और (ख) इस्पा त उत्पांदों की कीमत की तुलना विभिन्नर देशों में समान उत्पा्दों की घरेलू कीमत के साथ की जाती है न कि निर्यात कीमतों के साथ क्यों□कि निर्यात कीमतों में शुल्कर , कर आदि को शामिल नही किया जाता है । अप्रैल , 2016 के दौरान विभिन्नर इस्पांत उत्पा दों की भारतीय और अन्तलर्राष्ट्री।य घरेलू कीमतों की तुलना निम्नरवत है। यह दर्शाता है कि भारत में इस्पा◌ोत कीमतें (डॉलर के संदर्भ में) नमूनों की तुलना में न्यूीनतम है और इसलिए यह कहना सही नही है कि भारत में इस्पा◌ात की कीमतें उच्चितर है।

मूल्य् : अमरीकी $/एमटी

		भारतीय घरेलू				अंतर्राष्ट्री□यघरेलू				
क्र.सं.	मद	मुंबई	दिल्ली◌	कोलकाता	चेन्नौ	तुर्की	यूएसए	ईयू	जापान	कोरिया
1	रिबार्स	416	404	399	441	498	546	429	502	434
2	हॉट रोल्ड् क्वा यल्सर	418	409	429	427	460	510	410	537	456
3	कोल्डा रोल्ड	470	461	526	515	480	686	519	651	697

(ग) जी नहीं। इस्पांत की घरेलू कीमतों में जनवरी , 2014 के बाद से तीव्र गिरावट की प्रवृति देखी गई थी जनवरी, 2014 और मार्च 2016 के बीच टीएमटी बॉर्स की कीमतों में 27 प्रतिशत की गिरावट हुई है। इसी प्रकार एचआर क्वॉऔयल्स1 और सीआर क्वॉकयल्सस की कीमतों में जनवरी 2014 की कीमत स्तदर से क्रमश: 30 प्रतिशत और 29 प्रतिशत की गिरावट हुई है।

रि-बॉर्स की एफओबी कीमतों में भी 32 प्रतिशत की गिरावट हुई है जबकि एचआर क्वॉमयल्सव और सीआर क्वॉशयल्सक की कीमतों में जनवरी 2014 और मार्च 2016 के दौरान 35 प्रतिशत की गिरावट हुई।

(घ) उपरोक्तओ प्रश्नज◌ा◌ल्लिखित उत्तकर के अनुसार इस्पातत की घरेलू कीमतों में जनवरी 2014 के बाद से तीव्र गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई है। इसलिए आदान सामग्री की कीमतों के संदर्भ में फोर्जिंग उद्योग पर किसी प्रकार का कोई नकारात्मतक प्रभाव नहीं पड़ा है।

***